

* ओडिशा संस्करण

19 जनवरी, 2024
पौष, कृष्ण पाख, नवगी
संवत् 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

शुक्रवार, वर्ष 09, अंक 90

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

राम मंदिर

प्राण प्रतिष्ठा काउंटडाउन

03 दिन शेष



#HOCKEYINVITES
ENROUTE TOPARIS

FIH



FIH HOCKEY OLYMPIC QUALIFIERS 2024 ► RANCHI

FREE ENTRY

FIH HOCKEY OLYMPIC QUALIFIERS RANCHI 2024 MARANG GOMKE JAIPAL SINGH ASTROTURF HOCKEY STADIUM, RANCHI

TODAY'S MATCHES

TIME: 10:30

Loser Match 13

VS

Loser Match 14

TIME: 13:30

Winner Match 13

VS

Winner Match 14

TIME: 16:30

Loser Match 15

VS

Loser Match 16

TIME: 19:30

Winner Match 15

VS

Winner Match 16

► INDIA

WATCH LIVE ON



JioCinema

STADIUM ENTRY

(FOR SPECTATORS)
08:30 am Onwards

HEMANT SOREN
Chief Minister, Jharkhand



हजारीबाग/कोडरमा

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष संजय सिंह का एम्स में निधन

हजारीबाग (आजाद सिपाही)।



हजारीबाग शहर के मिसान रोड निवासी व्यवसायी और झारखंड रेटर्ट क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष और हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के सचिव संजय सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। संजय सिंह का शव शुक्रवार को दिल्ली से हजारीबाग लाया जायेगा।

संजय सिंह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज दिल्ली के एम्स अस्पताल में चल रहा था, जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली। संजय सिंह के निधन की खबर सुनते ही उनके करीबियों और वाहने वालों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। संजय सिंह का शव शुक्रवाग को दिल्ली से हजारीबाग लाया जायेगा। वह अपने पीछे पर्सी और एक बेटा और एक बेटी को छोड़कर दुनिया से चले गये। आपको बता दें कि संजय सिंह के भाई वर्षा सिंह मणिपुर में डीपीयो हैं। संजय सिंह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के सचिव रहे। संजय सिंह ने हजारीबाग क्रिकेट के एक अमांग पहचान दिलायी और झारखंड के क्रिकेट के लिए कई अच्छी कार्रवाई की। वे जेएससीए के कमेटी में भी रह चुके थे। इनके छोटे भाई भाजपा नेता वंचन सिंह की पूर्व में ही मौत हो गयी थी। उनके निधन की खबर से उनके शुभितक गम्भीर हो गये हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में योग प्रशिक्षक के स्वप्न में भाग लेंगी सुषमा सुमन

कोडरमा (आजाद सिपाही)।



केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोडरमा रहित झारखंड के 21 योग प्रशिक्षकों का चयन 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के परेड में योग प्रशिक्षक के रूप में आमत्रित किया है। गणतंत्र दिवस समारोह में कोडरमा जिला की सुषमा सुमन के चयन होने पर खास्य विभाग और जिला आयुष अफसर डीएमओ डाक्टर प्रभात कुमार के साथ कोडरमा विभागीयों में खुशी है।

सुषमा सुमन सहित 21 योग प्रशिक्षक रांगी से 22 जनवरी को ट्रेन से दिल्ली रवाना होंगे। इन्हें मंत्रालय झारखंड सरकार की निर्देशक सीमा कुमारी उत्तरपुरी ने नोडल अफसर दिवाकर कुमार ज्ञा को नियुक्त किया है, जिनके देखभाव में योग प्रशिक्षक दिल्ली रवाना होंगे। 24 और 25 जनवरी को इन्हें दिल्ली में प्रशिक्षण दिया जायेगा जो कि 26 जनवरी योग का प्रदर्शन करेंगे। बताते चले कि पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस परेड में योग की स्थान दिया है। सुषमा सुमन ने द्युमितीलेया के गायत्री शतिष्ठीपूर्णी और ह्रीष्णद्वारा से आये योग प्रशिक्षक और झुमरी तिलेया के रस स्मरणमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस परेड में योग का प्रशिक्षण किया और बाबा रामदेव के योग से प्रेरित होकर दिवस 2004 में अपने गायी स्कूल रोड में आठ लोगों के योग का प्रशिक्षण अपने पति विष्णु प्रदीप सुमन के साथ शुरू किया था। उसके बाद जयनगर प्रखण्ड के घंटीरी में प्रशिक्षण दिया। द्युमितीलेया शहर में स्कूल स्टर पर पहली बार सीढ़ी स्कूल में प्रशिक्षण देने शुरू किया था। देव स्कृति विभाग हरिद्वार में योग का प्रशिक्षण प्राप्त किया और बाबा रामदेव ने भी सम्मानित किया। इधर 20 वर्षों में 20 हजार से अधिक समाजिक, स्कूल, स्वयंसेवी संगठन और कई स्थानों पर 8 लाख से अधिक लोगों को योग के प्रति जागरूक किया। इसके साथ योग से लोगों को निरोग रहने का मत्र भी दिया।

पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह के बयान की निंदा

कोडरमा (आजाद सिपाही)।



झारखंड प्रदेश काग्रेस सचिव मनोज सहाय पिंको ने पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह के द्वारा कृषि पश्चात्यान विभाग के विवरण में दिये गये बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया द्यकर किया है। पूर्व कृषि मंत्री ने हेमत सरकार के कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग द्वारा 21150 कृषकों का 836 करोड़ रुपया क्रेन माली हुआ जो एक कॉर्टिमान है। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग के लोकप्रिय मंत्री बाबल पत्रेखा और सचिव अबु बकर सिंहदीकी ने वर्तमान सरकार की जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत की जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग के लोकप्रिय मंत्री बाबल पत्रेखा और सचिव अबु बकर सिंहदीकी ने वर्तमान सरकार की जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत की जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान और सहकारिता विभाग का चारागांव बताया है जो हास्यरस और निदानी है। सहाय से आकड़े और दावों के साथ कहा कि कोरोनाकाल बाद भी जब देश के जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत थी तो उनके समाजिक और स्कूल स्टर पर हर्ष करने के बाद राजनीति देश के बंधनों में बढ़े। इन्होंने एक अंतिम दिन जीडीपी की गिरावट 7.30 प्रतिशत रही। कृषि पश्चात्यान औ

संपादकीय

युद्ध फैलने का खतरा

ईरान की ओर से मंगलवार को पाकिस्तान सीमा में स्थित एक आतंकवादी टिकाने पर किये गये मिसाइल और ड्रोन हमलों ने पहले से ही तनावग्रस्त और सवैदेनशाली इस पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिति को खंबरा पैदा कर दिया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब 100 दिनों से भी ज्यादा समय से इस्लाम और हमास के बीच जागा में चलते पूरा मध्य-पूर्व असाधारण तनाव से गुजर रहा है। यही नहीं, यमन के ईरान समर्थित हूटी विदेशी लाल सामग्री से गुजरते जहाजों को लगातार निशाना बना रहे हैं, जिससे ग्लोबल ट्रेड प्रभावित हो रहा है। ईरान ने जैश अल-अदल नाम के जिस आतंकवादी गुप्त के ठिकाने को निशाना बनाने की बात कही। यह ईरान के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थिर बून्ही मुखिलम गुप्त है। यह ईरान की सीमा के अद्वारा आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता रहा है। ध्यान रहे, दोनों देशों के बीच करीब 950 किलोमीटर लंबी सीमा है। इसका ज्यादातर हिस्सा सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों में पड़ता है। ईरान शिया बहुल देश है, लेकिन इसके सिस्तान प्रांत में ज्यादातर सुन्नी आबादी रहती है। दोनों देशों के बीच रिश्तों में उत्तर-चढ़ाव आते रहे हैं, लेकिन उनके बीच न केवल कूटनीतिक संबंध बने हुए हैं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को लेकर बातचीत और सहयोग भी जारी है। यह हमला अप्रत्याशित इसलिए भी माना गया, क्योंकि उसी दिन दावों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और ईरान के विदेश मंत्री की मुलाकात हुई थी। मगर इस मामले का ज्यादा बड़ा पहलू यह है कि वह एक साताह में तीसरा मौका है, जब ईरान ने किसी और देश की क्षेत्रीय सीमाओं को उल्लंघन करते हुए हमला किया। इससे पहले ईरान और सीरिया के बाद अब परमाणु शक्ति संपन्न पाकिस्तान पर उसकी कार्रवाई को समर्गता में देखें, तो जागा में घल रहे युद्ध के बड़े दायरे में फैलने का गंभीर खतरा साफ दिखता है।

ईरान समर्थित गुप्त के हमलों और ईराक एवं सीरिया के बाद अब परमाणु शक्ति संपन्न

पाकिस्तान पर उसकी कार्रवाई को समर्गता में देखें, तो जागा में घल रहे युद्ध के बड़े दायरे में फैलने का गंभीर खतरा साफ दिखता है।

के विदेश मंत्री की मुलाकात हुई थी। मगर इस मामले का ज्यादा बड़ा पहलू यह है कि वह एक साताह में तीसरा मौका है, जब ईरान ने किसी और देश की क्षेत्रीय सीमाओं को उल्लंघन करते हुए हमला किया। इससे पहले ईरान और सीरिया के बाद अब परमाणु शक्ति संपन्न पाकिस्तान पर उसकी कार्रवाई को समर्गता में देखें, तो जागा में घल रहे युद्ध के बड़े दायरे में फैलने का गंभीर खतरा साफ दिखता है।

अभिमत आजाद सिपाही

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से अटकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है। देश की लगभग 90 प्रतिशत आबादी बेरोजगार है। ऐसे में निःशब्द होकर युवा दिव्यत के रूप में कुछ पैसे देकर निज्ञ स्तर की नौकरियां करने पर मजबूर हैं। इन हालातों के बीच जिम्बाब्वे में लड़कियों के लिए नौकरी पाने के लिए नौकरी देने के लिए इंटरव्यू में शामिल हुई कम-से-कम 3 लड़कियों को फोन एवं मैसेन किया और नौकरी देने के लिए उनसे सेक्स की डिमांड की। इसके बाद पैडिता ने हालसेप ऐसे जास्ती का स्क्रीनशॉट लेकर ग्वालियर पुलिस में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करायी। काम या फिर नौकरी के बदले सेक्स मांगना एक विश्वव्यापी समस्या बन चुकी है। हाल ही में भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं के लिए एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है। देश की

निःशब्द होकर युवा दिव्यत के रूप में एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है। देश की

काम के बदले यौन शोषण 'एक सामाजिक कलंक'

डॉ वरिदि भाटिया

सोशल मीडिया पर चर्चित खबरों के अनुसार ग्वालियर में एक महकमे में नौकरी के लिए हुए इंटरव्यू में शामिल होने वाली लड़कियों से सेक्स की डिमांड की गयी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह मामला 3 जनवरी 2024 को ग्वालियर शिक्षण एक कृषि विविधायालय में एक निगम द्वारा निकाली गई भर्ती के लिए आयोजित हुए इंटरव्यू से जुड़ा है। एक अधिकारी ने नौकरी देने के लिए इंटरव्यू में शामिल हुई कम-से-कम 3 लड़कियों को फोन एवं मैसेन किया और नौकरी देने के लिए उनसे सेक्स की डिमांड की। इसके बाद पैडिता ने हालसेप मैसेज का स्क्रीनशॉट लेकर ग्वालियर पुलिस में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करायी। काम या फिर नौकरी के बदले सेक्स मांगना एक विश्वव्यापी समस्या बन चुकी है। हाल ही में भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं के लिए एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे सालों से भयंकर गरीबी और बेरोज

